राजस्थान में बीते 34 महीनों में बिजली उत्पादन और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हुआ : मुख्यमंत्री

इसी का नतीजा है कि राजस्थान ने दूसरे राज्यों को 2 हजार करोड़ रु. की बिजली बेची : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के 34 माह से अधिक के कार्यकाल में राजस्थान की बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हुआ है। प्रदेश ने अन्य राज्यों को लगभग 2 हजार करोड रुपए की बिजली बेची है। उन्होंने अधिकारियों को घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री गुरुवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, शासन सचिव ऊर्जा विभाग आरती डोगरा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने रबी सीजन में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि खैरथल-तिजारा में भी किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है। इसके साथ ही प्रदेश के 28 जिलों में 13 लाख 56 हजार से अधिक किसान इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा व ऊर्जा शासन सचिव आरती डोगरा बैठक में शामिल हुए।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि "प्रदेश के 28 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिल रही है, बीते 34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित हुए"
- पीएम कुसुम योजना के घटक "ए" और "सी" में राजस्थान देशभर में प्रथम; बिजली छीजत घटकर 12.84 प्रतिशत हुई

बिजली घाटा 89907 करोड़ रु. पर आया

बैठक में बताया गया कि 31 मार्च 2023 को बिजली क्षेत्र का कुल घाटा 92069 करोड़ रुपए था, जो 31 दिसंबर 2023 तक बढ़कर 98634 करोड़ रुपए हो गया था। इस दौरान नौ माह में 6565 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई। अनुमानित वार्षिक वृद्धि दर के आधार पर वित्त वर्ष 2025-26 में यह घाटा 1 लाख 21 हजार 73 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशंका थी, लेकिन ऊर्जा विभाग के प्रयासों से यह 89,907.77 करोडड़ पए रहा।

मुख्यमंत्री ने बिजली छीजत कम करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि तीनों विद्युत वितरण निगमों में छीजत वित्त वर्ष 2019-20 के 19.43 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 12.84 प्रतिशत रह गई है। जोधपुर डिस्कॉम में भी छीजत लगभग 38 प्रतिशत से घटकर 18.64 प्रतिशत हुई है।

पीएम कुसुम योजना में राजस्थान देश में प्रथम

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना के घटक ए और सी के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक योजना के घटक ए में 1,779 मेगावाट से अधिक और घटक सी में 3,758 मेगावाट से अधिक क्षमता स्थापित की गई।

जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समान अवधि के कार्यकाल में घटक ए में केवल 9.5 मेगावाट क्षमता स्थापित हुई थी और घटक सी में कोई क्षमता स्थापित नहीं हुई थी। राजस्थान दोनों घटकों में स्थापित क्षमता के आधार पर देश में प्रथम है। योजना से 3 लाख 89 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में पिछले 34 माह में 29 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है, जबकि पूर्ववर्ती सरकार की समान अवधि में यह क्षमता 5.9 गीगावाट थी। राजस्थान सौर ऊर्जा स्थापना एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन में देश में प्रथम तथा कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए।

जयपुर और अजमेर डिस्कॉम लाभ में

मुख्यमंत्री ने बताया कि अजमेर डिस्कॉम ने वित्त वर्ष 2023-24 में 825 करोड़ और 2024-25 में 1,875 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया। वहीं जयपुर डिस्कॉम वित्त वर्ष 2025-26 में 931 करोड़ रुपए के लाभ में रहा।

राज्य में पिछले 34 माह में 400, 220 और 132 केवी के 64 नए ग्रिड सब-स्टेशन स्थापित किए गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकार की समान अवधि में 27 ग्रिड सब-स्टेशन बने थे। मुख्यमंत्री ने दिसंबर तक 16 नए ग्रिड सब-स्टेशनों का निर्माण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

कर्ज चुकाने के लिए 37 लाख रु. के गहने लूटने वाला दिल्ली से गिरफ्तार

आरोपी ने जयपुर के वैशाली नगर स्थित शोरूम में दिनदहाड़े चाकू की नोंक पर वारदात की थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में दिनदहाड़े ज्वैलरी शोरूम में चाकू की नोक पर करीब 37 लाख रुपए के गहने लूटने के मामले में पुलिस ने वारदात के आरोपी दिग्विजय सिंह (32) निवासी देवी नगर कालवाड रोड को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कर्ज चुकाने के लिए लूट की साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी पर करीब 30 लाख रुपए का एजुकेशन लोन और 15 लाख रुपए का पर्सनल लोन बकाया था। इसके अलावा उसने दोस्तों से भी उधार ले रखा था। फिलहाल लूटे गए गहनों की बरामदगी नहीं हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 10 नवंबर 2026 को वैशाली नगर स्थित सीरियस ज्वेलर्स शोरूम में लूट की वारदात हुई थी। शोरूम में ज्वेलरी कंसल्टेंट के पद पर कार्यरत अंजलि कायस्थ ने इस संबंध में वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि सुबह शोरूम खोला था। उस समय सिक्योरिटी गार्ड महावीर प्रसाद गुप्ता भी वहां मौजूद थे। सुबह करीब 10:30 बजे वह मैनेजर रोहित जांगिड़ से फोन पर स्टॉक रिपोर्ट कार्ड को लेकर बात कर रही थीं। इसी दौरान मुंह पर मास्क और सिर पर पीली टोपी लगाए एक युवक काले रंग का बैग लेकर शोरूम में दाखिल हुआ। युवक ने अचानक बैग से चाकू निकालकर महिला कर्मचारी को धमकाया और गहने बैग में रखने के लिए कहा।

महिला कर्मचारी ने सिक्योरिटी गार्ड को आवाज लगाई तो बदमाश ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद चाकू दिखाकर महिला कर्मचारी को जान से मारने की धमकी दी और शोरूम में रखे सोने व हीरे के आभूषण जबरन अपने बैग में भर लिए। वारदात के दौरान भय के कारण महिला कर्मचारी और गार्ड विरोध नहीं कर सके। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।



वैशाली नगर इलाके के ज्वैलरी शोरूम में 37 लाख रुपए के गहने लूटने वाले बदमाश को जयपुर पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया।

- 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने आरोपी को दबोचा
- बीएससी नर्सिंग कर चुका है आरोपी; 30 लाख का एजुकेशन लोन और 15 लाख का पर्सनल लोन था बकाया
- हालांकि पुलिस को लूटे गए गहने बरामद नहीं हुए हैं, जिनके संबंध में पूछताछ की जा रही है

सात हार और 31 अंगूठियां लूटी थीं

वारदात के बाद शोरूम स्टाफ और मालिक ने स्टॉक की जांच की तो 7 गले के हार और 31 अंगूठियां गायब मिलीं। इनकी कीमत करीब 37 लाख रुपए बताई गई। पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी। फुटेज में सामने आया कि आरोपी स्कूटी से शोरूम के आसपास पहुंचा था और पहले रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। पहचान छिपाने के लिए उसने चेहरे पर मास्क और सिर पर कैप लगा रखी थी।

डीसीपी पश्चिम ने बताया कि वारदात के खुलासे के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण, आसूचना तंत्र और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान दिग्विजय सिंह के रूप में हुई। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी लूटे गए गहनों को बेचने के लिए दिल्ली गया हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी आधार पर उसका पीछा किया और दिल्ली पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया। जयपुर लाकर पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिग्विजय सिंह बीएससी नर्सिंग कर चुका है। वह आगे की पढ़ाई के लिए विदेश भी गया था और वहां नौकरी करने का अनुभव भी रखता है। इसके लिए उसने करीब 30 लाख रुपए का एजुकेशन लोन लिया था। इसके अलावा करीब 15 लाख रुपए का पर्सनल लोन और दोस्तों से भी उधार ले रखा था। नौकरी छूटने के बाद वह पिछले करीब छह महीने से बेरोजगार था। वह ओयो कंपनी के लिए अनुबंध आधार पर संपत्तियों की तलाश का काम कर रहा था। कर्ज चुकाने का दबाव बढ़ने पर उसने बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई और ज्वैलरी शोरूम को निशाना बनाया।

पुलिस के अनुसार आरोपी शादीशुदा है और उसका चार साल का बेटा है। उसका इससे पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। नौकरी छूटने और आर्थिक तंगी के चलते वह कर्ज में डूब गया था। इसी कर्ज को चुकाने के लिए उसने शोरूम की रैकी की और चाकू की नोंक पर गहने लूट लिए।

वारदात के बाद वह पुलिस से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा, लेकिन पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे दिल्ली से पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से लूटे गए सात हार और 31 अंगूठियों की बरामदगी के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात के बाद उसने गहने कहां छिपाए या किसी को बेचे हैं।

इस मामले के खुलासे के लिए प्रोबेशनर आईपीएस अदिति उपाध्याय के सुपरविजन में वैशाली नगर थानाधिकारी अरविंद सिंह शेखावत, डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी, चित्रकूट थानाधिकारी विक्रम सिंह और करणी विहार थानाधिकारी सतपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। टीम में एसआई मोहित सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, कांस्टेबल दीपचंद, विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, सुशील कुमार, भरत सिंह, राजेंद्र कुमार, रामेश्वरलाल, राकेश कुमार, सांवरमल, मुकुट और महेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

मतदाता सूची में बदलाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की अपील खारिज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव से जुड़े मामले में एकलपीठ के उस आदेश में दखल से इनकार कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने कहा था कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद अपीलीय अधिकारी मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने या बदलने का आदेश नहीं दे सकता है। इसके साथ ही एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के संबंध में बूंदी जिला निर्वाचन अधिकारी के गत 18 अक्टूबर के आदेश को भी रद्द कर दिया था। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य निर्वाचन आयोग की अपील को खारिज करते हुए दिए।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव से जुड़े मामले में एकलपीठ के उस आदेश में दखल से इनकार कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने कहा था कि "चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद अपीलीय अधिकारी मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या बदलने का आदेश नहीं दे सकता है।"

अपील में कहा गया कि गत 3 अक्टूबर को केवल चुनाव कार्यक्रम जारी किया गया था और चुनाव अधिसूचना जारी नहीं हुई थी। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 243-ओ के प्रावधान इस पर लागू नहीं होते। एकलपीठ में याचिकाकर्ता रहे सुनीता देवी व अन्य के अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि याचिकाकर्ता पहले सुखपुरा में रहते थे। इसके बाद में वे मेंडी गांव आ गए। उन्होंने जनवरी 2026 में अपना नाम नई जगह की मतदाता सूची में जोडने का आवेदन दिया।

इस पर नियमों के मुताबिक आपत्तियां मांगी गईं, लेकिन कोई आपत्ति नहीं आई। फरवरी 2026 में उनके नाम वार्ड नंबर 4 की सूची में शामिल कर दिया गया। वहीं सरपंच का पद अनुसूचित जनजाति के लिए रिजर्व होने के बाद बहादुर सिंह नाम के व्यक्ति ने आपत्ति की।

जिसे दो अक्टूबर को खारिज कर दिया गया। इसके बाद तीन अक्टूबर को राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया। इसके बाद बहादुर सिंह ने 13 अक्टूबर को अपील की। याचिकाकर्ताओं को 17 अक्टूबर को नोटिस मिला और 18 अक्टूबर को ही अपील मंजूर कर उनके नाम सूची से हटा दिए गए। एकलपीठ ने पूर्व में आदेश जारी कर 18 अक्टूबर के आदेश को रद्द कर दिया था। इस आदेश को राज्य निर्वाचन आयोग ने खंडपीठ में चुनौती दी थी।

ताड़केश्वर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

जयपुर। गुलाबी नगरी के लगभग 300 वर्ष प्राचीन ऐतिहासिक ताड़केश्वरजी मंदिर में गोवर्धन पूजा के अवसर पर भव्य अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर जयपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की।

महोत्सव में भगवान जगन्नाथजी की ताजे फलों, रंग-बिरंगे पुष्पों एवं हरी सब्जियों से सजी भव्य झांकी विशेष आकर्षण रही। मंदिर परिसर दिनभर भजन, दर्शन और धार्मिक उत्साह से भक्तिमय बना रहा।

आयोजन महंत परिवार के चंद्रेश व्यास, प्रशांत व्यास, विशाल व्यास, गौरव व्यास एवं सौरभ व्यास के सानिध्य और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।इस अवसर पर जयपुर की उपमहापौर सरोज कुंवर, रणजीत सिंह सोडाला, एसपीजी इंडिया के अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत, सचिव डॉ. गोविंद रावत तथा पूर्व पार्षद अमर सिंह गुर्जर सहित अनेक गणमान्य लोगों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपमहापौर सरोज कुंवर ने राज्य सरकार की ओर से मंदिरों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। उन्होंने ताडकेश्वर मंदिर के जगमोहन क्षेत्र में स्थित प्राचीन एवं बहुमूल्य धरोहर चित्रों के संरक्षण, सुधार और जीर्णोद्धार के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया। इसे मंदिर की ऐतिहासिक, स्थापत्य एवं सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सीआईडी क्राइम ब्रांच ने 41 किलो गांजे के साथ तस्कर को दबोचा

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीकर जिले के बलारा थाना क्षेत्र में एक स्विफ्ट कार से 41 किलो 510 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में झुंझुनूं जिले के खिरोड़ निवासी राकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 21 लाख रुपए है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम सीकर और फतेहपुर क्षेत्र में आसूचना संकलन कर रही थी। इसी दौरान हेड कांस्टेबल को सूचना मिली कि स्विफ्ट कार में संदिग्ध सामान लेकर सीकर से लक्ष्मणगढ़ होते हुए झुंझुनूं की ओर जाया जा रहा है। इस सूचना पर सीकर पुलिस अधीक्षक संजीव नैन से समन्वय किया गया। उनके निर्देश पर सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने बलारा थाना पुलिस के साथ घेराबंदी की।

पुलिस ने लक्ष्मणगढ़ की ओर से आ रही संदिग्ध कार को रुकवाने का प्रयास किया तो चालक ने कार को लहराते हुए भगाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने कार रुकवा ली। चालक ने कार लॉक कर दरवाजे नहीं खोले और दोबारा भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। जहां लक्ष्मणगढ़ सीओ जाकिर अख्तर की मौजूदगी में कार की तलाशी ली गई। पिछली सीट के पास रखे पीले कट्टे से 16 किलो 370 ग्राम और डिग्गी में रखे सफेद कट्टे से 25 किलो 140 ग्राम गांजा बरामद हुआ। दोनों कट्टों में कुल 20 पैकेट रखे थे।

पुलिस ने 41 किलो 510 ग्राम गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत बलारा थाने में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी राकेश कुमार से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच दादिया थानाधिकारी संजय पूनिया कर रहे हैं। प्रारंभिक पूछताछ में राकेश कुमार ने गांजा और कार अपने साथी विकास कुमार धींवा निवासी सेवापुरा, खिरोड़ की होना बताया है। आरोपी के अनुसार विकास कुछ दूरी पहले कार से उतर गया था और आगे पहुंचकर फोन करने पर वापस आने की बात कही थी। पुलिस को विकास के बड़े स्तर पर मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल होने की जानकारी मिली है।



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से गुरूवार को लोकभवन शिष्टाचार भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न जनकल्याणकारी विषयों पर राज्यपाल के साथ सार्थक चर्चा की। उन्होंने राज्यपाल से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके प्रेरणादायी मार्गदर्शन से लाभान्वित हुईं।

राजस्थान में कानून व्यवस्था ध्वस्त, जंगलराज का बोलबाला : जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने और राज्य में जंगलराज व अफराधियों के डर का माहौल बताते हुए राज्य सरकार को घेरा। जूली ने कहा कि, प्रदेश में "रूल ऑफ लॉ" की जगह "जंगलराज" चल रहा है, आमजन भयभीत है और अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि उन्हें कानून और पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। राजधानी जयपुर में हिस्ट्रीशीटर की सरेआम हत्या इसका ताजा उदाहरण है। बीच सड़क पर कुल्हाड़ी से हमला करके हत्या कर दी जाती है और पूरा इलाका दहशत में आ जाता है। प्रदेश की राजधानी में इस तरह की जघन्य वारदात होना अपने आप में राज्य सरकार की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जूली ने कहा कि प्रदेश में अपराध की स्थिति कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में ही हत्या के 1006, दुष्कर्म के 4146 और पॉक्सो एक्ट के 2012 मामले दर्ज हुए हैं।

"दीवाली खुशियों वाली" प्रतियोगिता में आवेदन 19 नवंबर तक

जयपुर। जयपुर नगर निगम की ओर से आयोजित 'दीवाली खुशियों वाली' प्रतियोगिता में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 19 नवंबर कर दी गई है। पार्षदों, नागरिकों और आवेदकों की मांग पर निगम ने यह निर्णय लिया है। अब सभी सात श्रेणियों में दीपावली के दौरान की गई सजावट की मोबाइल गैलरी में पहले से सुरक्षित तस्वीरें अपलोड कर भी प्रतियोगिता में भाग लिया जा सकेगा। इसके लिए दोबारा सजावट करने या नई तस्वीरें लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

नगर निगम की ओर से प्रतियोगिता सात श्रेणियों में आयोजित की जा रही है। इनमें वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता, आवासीय क्षेत्रों की पारंपरिक एवं आधुनिक सजावट, व्यावसायिक और संस्थागत प्रतिष्ठान तथा परकोटा (हेरिटेज) एवं ग्रेटर क्षेत्र के बाजार शामिल हैं।वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता में पार्षदों को अपने वार्ड की स्वच्छता, नवाचार एवं विशेष पहलों से जुड़ी 50 सर्वश्रेष्ठ तस्वीरें प्रस्तुत करनी होंगी। इसमें प्रथम विजेता वार्ड को 51 लाख, द्वितीय को 31 लाख और तृतीय को 21 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्यों का पुरस्कार दिया जाएगा।

वहीं चौथे से दसवें स्थान तक आने वाले प्रत्येक वार्ड को 11 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य मिलेंगे। आवासीय क्षेत्रों की पारंपरिक एवं आधुनिक सजावट, दोनों श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, एलईडी टीवी और स्मार्टफोन जैसे आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। वहीं व्यावसायिक एवं संस्थागत प्रतिष्ठानों तथा परकोटा और ग्रेटर क्षेत्र के बाजारों को उत्कृष्ट सजावट एवं सहभागिता के लिए प्रशस्ति-स्मृति-चिह्न और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सरकार के 3 साल पूरे होने पर 8 से 25 दिसंबर तक प्रदेश में कई आयोजन होंगे

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट, रोजगार उत्सव और नारी शक्ति सम्मेलन रहेगा प्रमुख आकर्षण; 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जायेगा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर 8 से 25 दिसंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवों की समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की।

तीन दिवसीय ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में प्रस्तावित है। इसमें कृषि निवेश, निर्यात, बागवानी, मोटे अनाज, नई कृषि तकनीक और जल संरक्षण पर चर्चा होगी। युवाओं के लिए नवाचार सम्मेलन, खेलो राजस्थान और प्रतिभा खोज प्रतियोगिताएं भी होंगी। राज्य स्तरीय रोजगार उत्सव, कौशल मेला, नारी शक्ति सम्मेलन और राष्ट्रीय सरस मेला भी आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा सभी जिलों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसमस्या समाधान शिविर, शेखावाटी हेरिटेज मीट, प्रवासी राजस्थानी दिवस तथा जैसलमेर में पर्यटन सम्मेलन और लोक कला उत्सव प्रस्तावित हैं। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जाएगा।

बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं में अक्टूबर 2026 तक 17,227.22 करोड़ रुपए खर्च हुए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 40.19 प्रतिशत अधिक हैं। गत 10 नवंबर तक 16वीं विधानसभा के 278 प्रश्नों का निस्तारण किया गया। अक्टूबर में राजकाज प्रणाली पर 92,200 से अधिक नई ई-फाइलें बनीं और कुल संख्या 55.90 लाख पार हो गई। कार्मिक विभाग ने वर्ष 2026-27 तक के 242 पदों के लिए विभागीय पदोन्नित समितियों की कार्यवाही पूरी कर ली है।



राजस्थान सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा के लिए गुरूवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बैठक ली।

नकली सोना असली बताकर 7 लाख की ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश

जयपुर। नकली सोने को असली बताकर लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने वाली अंतरराज्यीय वागरी गैंग का नागौर कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गैंग के दो सदस्यों रवि कुमार (29) निवासी बागरा और मूलाराम (43) निवासी भीनमाल, जिला जालौर को बीकानेर जिले के लूणकरणसर से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नागौर के एक व्यक्ति से 7 लाख रुपए की ठगी करने के साथ राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात सहित अन्य राज्यों में भी इसी तरीके से वारदात करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए संदिग्ध रास्तों पर लगे 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

जिला पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के अनुसार परिवादी पृथ्वीसिंह निवासी भाकरोद, खींवसर ने रिपोर्ट दी कि 23 सितंबर 2026 को वह किसी काम से गांधी चौक, नागौर आया था। वहां दो व्यक्ति उससे मिले और परिवार में डिलीवरी होने का हवाला देकर देशी गाय का घी खरीदने की बात कही। इसके बाद 26 सितंबर को परिवादी ने लक्ष्मी तारा सिनेमा हॉल के सामने उन्हें घी दिया। बाद में दोनों व्यक्ति परिवादी की मोटरसाइकिल पर बैठकर उसे मूण्डवा चौराहे से मानासर की ओर सुनसान जगह ले गए। वहां उन्होंने खुद को जमीन की खुदाई और कमठे का काम करने वाला बताया तथा जमीन से सोना मिलने की कहानी सुनाई। आरोपियों ने परिवादी को सोने का छोटा नमूना दिया, जिसकी जांच करवाने पर वह असली निकला। इससे परिवादी को उन पर भरोसा हो गया। आरोपियों ने 29 सितंबर को दोपहर 1:50 बजे परिवादी को 7 लाख रुपए और घी लेकर बुलाया। परिवादी से 7 लाख रुपए लेने के बाद आरोपियों ने उसे सोने के सामान की थैली थमा दी और फरार हो गए। बाद में पता चला कि थैली में सोना नकली था। यह गिरोह सीधे-सादे लोगों से संपर्क कर विश्वास जीतता हैं, फिर जमीन की खुदाई में सोना मिलने की कहानी सुनाकर नकली सोना सस्ते दामो में देने का लालच देते है।